डाक पंजी. संख्या UA/DO/DDN/151/2013-2015

स्वदेश स्वाभिमान

R.N.I. No. : UTTHIN/2013/51354
(मासिक)
वर्ष : 01 अंक : 02 | हरिद्वार, 8 सितम्बर, 2013 | मूल्य : 3/- | पृष्ठ : 4

राष्ट्र रक्षा विशेषांक

गुरुवाणी

[illegible]

1. हमें पूर्ण जाग्रत व पूर्ण समर्थ जीवन जीना है।
2. पूरे उत्साह एवं एकाग्रता के साथ सात्विकता के धरातल पर रहकर निरन्तर पूर्ण पुरुषार्थ करते हुए कर्म को धर्म, भगवान् की पूजा या समष्टि के प्रति अपना उत्तरदायित्व मानते हुए ध्येय की वन्दना करना है तथा हर पल व हर दिन हमें उपलब्धियों से भरा हुआ जीना है।
3. एक क्षण के लिए भी अशुभ को जीवन में प्रश्रय नहीं देना है। हर पल आत्मा में परमात्मा की जो प्रेरणा उठती है, उसी के अनुरूप जीवन जीना है।
4. हमें आध्यात्मिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, आर्थिक एवं राजनैतिक दृष्टि से राष्ट्र व विश्व को नेतृत्व प्रदान करना है।
5. मैं भगवान् की सन्तान या उस शाश्वत का प्रतिनिधि हूँ, मैं ऋषियों की सन्तान व धरती माता भारत माता की सन्तान हूँ, मेरा जीवन इसी के अनुरूप होगा। मैं प्रथम कोटि का जीवन जीऊँगा।।

स्वामी रामदेव

आयुर्वेद अमृत

भारत की अध्यात्मिक योग व आयुर्वेद परम्परा के महान संत एवं विद्वान् महापुरूष आचार्य बालकृष्ण विश्व स्तर पर आयुर्वेद के पुनरुद्धार, प्रचार-प्रसार एवं उसको प्रामाणिकता से स्थापित करने में जुटे हैं। आचार्य जी वैदिक सनातन ऋषि परम्परा के प्रतिनिधि हैं, जिनमें महर्षि चरक, सुश्रुत एवं धन्वन्तरि आदि समस्त ऋषियों का ज्ञान समग्र रूप से समाहित है। आपके नेतृत्व में पतंजलि योगपीठ ने बिना किसी सरकारी सहयोग के आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय कीर्तिमान स्थापित किया है। आपके प्रयास से योग एवं आयुर्वेद पर 29 पेटेन्ट्स प्राप्त हो चुके हैं। आपके मार्गदर्शन में योग एवं आयुर्वेद के 41 शोध-पत्र भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नलस एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आपको योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए "वनौषधि पण्डित" व "सुज्ञानश्री" आदि अनेक विशेष सम्मानों द्वारा सम्मानित किया गया है। भारत की बहुप्रसिद्ध पत्रिका 'इंडिया टुडे' (25 नवम्बर 2009) तथा 'आउट लुक' (जनवरी 2010) ने आचार्य जी की भारत के श्रेष्ठ 10 प्रगतिशील, प्रतिभाशाली एवं तेजतर्रार युवाओं में गणना की। आप योग व आयुर्वेद के क्षेत्र में सर्वाधिक बिकने वाली अनेकों सुप्रसिद्ध पुस्तकों के लेखक हैं। सदियों पुरानी अप्रकाशित आयुर्वेद की पाण्डुलिपियों के अनेक ग्रन्थों का आपने विद्वतापूर्ण सम्पादन किया है। पचास लाख से अधिक संख्या में बिकने वाली आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र की श्रेष्ठ पुस्तक ''औषध दर्शन'' भी आपकी ही अनुपम रचना है। इसके अतिरिक्त हाल ही में आपके स्वप्नशील कार्य ''विश्व भैषज्य संहिता'' पर कार्य चल रहा है। आचार्य जी ने अनेक टीवी चैनलों व प्रवचनों के माध्यम से विश्व के करोड़ों लोगों में जड़ी-बूटियों के प्रयोग एवं आयुर्वेद के प्रति रुचि को पुन: जागृत किया। आप एक महान दिव्यदर्शी, परम तपस्वी, कर्मठ, पुरुषार्थी एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, विश्वमंगल हेतु अहर्निश सेवा में संलग्न रहने वाले सहज, सरल किन्तु प्रभावशाली व्यक्ति हैं। विश्व का विशालतम खाद्य प्रसंस्करण संस्थान 'पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क' आपके ही संकल्प का परिणाम है। आप दिव्य फार्मेसी व पतंजलि आयुर्वेद जैसे आयुर्वेद के क्षेत्र में विश्व की विशालतम अत्याधुनिक औषध निर्माणशाला के शिल्पी एवं प्रेरक हैं। ऑर्गेनिक कृषि (जैविक कृषि), विषमुक्त धरती तथा प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा के लिए पतंजलि बायो रिसर्च सैंटर (*PBRI*) जैसी संस्थाओं का निर्माण भी आपकी ही सोच का मूर्तरूप है। अपनी दूरदर्शिता के साथ दिव्य योग मंदिर (ट्रस्ट) एवं पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) के अन्तर्गत विश्वस्तरीय, विशालतम, सुव्यवस्थित एवं सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉस्पिटल, योगभवन, प्रयोगशालाओं एवं अन्य युगान्तरकारी संरचनाओं के निर्माण का नेतृत्व किया है। आप योगऋषि स्वामी रामदेवजी महाराज के अनन्य सहयोगी तथा पतंजलि योगपीठ परिवार के सभी संस्थानों के मुख्य संरचनाकार हैं। आप पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज, आचार्यकुलम् शिक्षण संस्थानम् तथा वैदिक गुरुकुलम् आदि अनेक शिक्षण संस्थानों के संस्थापक हैं। आप आयुर्वेद की परम्परा के गौरवशाली महापुरूष व कोटि-कोटि राष्ट्रभक्त भारतीयों के प्रेरणास्रोत एवं आदर्श पुरुष हैं।

> श्रद्धेय आचार्य श्री ने वर्षों तक अध्ययन, शोध, अनुसंधान व अनुभव करके चिकित्सा के क्षेत्र में जो निष्कर्ष निकाला है उसे हम अपने पाठकों तक निरन्तर पहुँचाते रहेंगे।

संस्था समाचार

पूरे देश के योग साधकों ने इस तरह मनाया 'जड़ी-बूटी दिवस'

जड़ी-बूटी दिवस पर परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज व आचार्य श्री द्वारा वृक्षोरोपण करते हुये व विभिन स्कूलों में भी वृक्षारोपण किया गया

उत्तर प्रदेश में वृक्षा रोपण करते हुये, कार्यकर्त्ता व साधकगण

पश्चिम बंगाल व बलिया (उ0प्र0) में आई बाढ़ आपदा में राहत की सामग्री वितरण

संगठन निर्देश

सभी राज्य, मण्डल, जिला, तहसील, प्रखण्ड व ग्राम स्तरीय पदाध्किारियों व कार्यकर्त्ताओं के लिये निर्देश

1. **सर्वोच्च प्राथमिकताएँ–**
   गाँव, प्रखण्ड बूथ व वार्ड स्तर तक भारत स्वाभिमान की समितियों का गठन करके उनको प्रशिक्षण देना।
2. नियमित योग कक्षाओं का संचालन व योग कक्षाओं का विस्तार–
   - बरसात के कारण बाधित हुई कक्षाओं को दोबारा प्रारम्भ करना। सभी प्रभारी, सक्रिय व वरिष्ठ कार्यकर्त्ता अपनी नियमित योग कक्षा अवश्य संचालित करें।
   - गठित ग्राम समितियों, प्रखण्ड समितियों को योग कक्षा लगाने के लिये प्रेरित करना।
3. भ्रष्ट सत्ता व अन्यायपूर्ण व्यवस्था के परिवर्तन के कार्य हेतु 1-1 जिला, तहसील, वार्ड, प्रखण्ड से लेकर बूथ व ग्राम तक समझदार व जिम्मेदार प्रशिक्षित कार्यकर्त्ताओं का नाम, पता, फोन नम्बर सहित सूचि तैयार करना। जिससे कि आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में बुरें लोगों को सत्ता से बेदखल कर सकें तथा अपने मुद्दें से सहमत व्यक्ति को जितवा सकें।
4. पूज्य स्वामी जी आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व लगातार प्रवास करके योगदीक्षा व राष्ट्ररक्षा हेतु अभियान चला रहे है। आपको भी इस राष्ट्र-यज्ञ में बड़ी भूमिका निभानी है अत: सभी प्रभारी व कार्यकर्त्ता ग्राम समिति के निर्माण हेतु निरन्तर प्रवास करें।
5. योग संदेश व स्वदेश स्वाभिमान समाचार-पत्र को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचायें, लोगों को स्वदेशी का व्रत दिलावायें तथा देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनायें।

भारत स्वाभिमान (न्यास), की अधिक जानकारी के लिये देखें
E-mail :bharatswabhimanheadoffice@gmail.com, Web : www.bharatswabhimantrust.org
www.twitter.com/bst_official | www.facebook.com/swami.ramdev
www.twitter.com/yogrishiramdev | 01334-240008, Fax : 01334-240664

अपने पूर्वज ऋषि-ऋषिकाओं एवं वीर-वीराङ्गनाओं को आदर्श मानते हुए मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि जीवन पर पहला अधिकार भगवान् का है, दूसरा मातृभूमि का तथा तीसरा माता-पिता व गुरु तथा अन्त में मेरा स्वयं का है। अत: हरपल आत्मा में परमात्मा की जो प्रेरणा, पुकार या आदेश उठता है उसी के अनुरूप मैं आचरण करूँगा तथा अपने पूर्वजों की तरह जीवन जीऊँगा।

वर्तमान केन्द्र सरकार का नेतृत्व करने वाली पार्टी के अक्षम्य पाप, अपराध व षड्यन्त्र

कांग्रेस की स्थापना ए.ओ. ह्युम नाम के एक अंग्रेज ने 1857 के बाद अंग्रेजों के साम्राज्य की रक्षा के लिए की थी, यद्यपि बीच के कालखण्ड में कांग्रेस में कुछ अच्छे लोग भी सम्मिलित हो गए किन्तु कांग्रेस के भारतीयता विरोधी चरित्र के कारण नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, श्री अरविन्द, स्वामी श्रद्धानन्द जी व महामना मदन मोहन मालवीय आदि श्रेष्ठ देशभक्त कांग्रेस से प्रारम्भ से अलग होते रहे हैं। यदि आज भी भूल, अज्ञान व मोह वश कुछ अच्छे लोग इस पापी पार्टी में हैं तो उन्हें राष्ट्रहित में इस पार्टी को तुरन्त छोड़ देना चाहिए। क्योंकि पाप करना या उसका साथ देना दोनों ही घोर अपराध हैं। यद्यपि कांग्रेस के नेहरु गांधी खानदान के पापों की अनन्त गाथा है तथापि संक्षेप में उनके कुछ पाप यहाँ लिख रहे हैं–

1. 15 अगस्त, 1947 को जब देश आजाद हुआ तो रुपये, डॉलर, पौंड तीनों बराबर थे, आज आजादी के 67 वर्ष बाद हमें 1 डालर के लिए 67 रुपये देने पड़ते हैं। पूरी दुनियाँ में भारत की प्रतिष्ठा (साख) खत्म कर दी है। यदि देश स्वदेशी व ईमानदारी के रास्ते पर चलता तो यह दुर्दशा व दरिद्रता नहीं देखनी पड़ती।

2. जब कानून सबके लिए बराबर है और कानून से ऊपर कोई नहीं तो करीब 20 लाख करोड़ की F.D.I. लाने वाले उसका स्रोत क्यों नहीं बताते, 50 हजार के लगभग अवैध लेन-देन की सूचना और कालेधन वालों के 1 हजार से अधिक नाम सरकार छिपाकर क्यों बैठी है, लाखों करोड़ के घोटाले बाज, टैक्स चोरी व रिश्वत खोरी करने वाले, क्या ये सब कानून से ऊपर हैं?क्या आदरणीया सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह व राहुल गांधी इन सब पापों में खुद सम्मिलित हैं? फिर आसाराम जी जेल की कोठरी में व देश लूटने वालों कोठियों में क्यों बैठें हैं?

3. एक हजार वर्षों से मुल्क को जितना मुगलों व अंग्रेजों ने नहीं लूटा उससे ज्यादा मात्र 67 वर्षों में इस लुटेरे खानदान व पार्टी ने लूटा है, लगभग एक हजार लाख करोड़ की ये लूट या तो इन्होंने खुद की है या फिर करवाई है। इसीलिए ये खानदानी नेता नहीं, खानदानी लुटेरे हैं। जब 50-100 रुपये की चोरी करने वाले जेब कतरों व चोरों को पुलिस जेल में डालती है तथा उनसे लूट की वसूली करती है, कानून तो सबके लिए बराबर है अत: लाखों करोड़ के घोटाले करने वालों और जल, जंगल, जमीन, भू-सम्पदा व पूरे देश को ही नीलाम करने वालों, बेचने, लूटने व बर्बाद करने वालों को भी या तो जेल में डालो या सूली पर चढ़ाओ तथा लूटे हुए माल की वसूली भी करो। क्या ये बड़े लुटेरे कानून से ऊपर हैं?

देश को लूटने वालों को हमने फिर से वोट दिया तो देश व भगवान् हमें कभी माफ नहीं करेंगे, यह महापाप होगा। याद रखना जो देश इतिहास से नहीं सीखता, वो खुद एक इतिहास बन जाता है तथा हर देश, धर्म, संस्कृति व सभ्यता अपने विनाश व पतन के बीज खुद बोती है। कांग्रेस के नेहरु खानदान का इतिहास लूट व राष्ट्रघात का ही रहा है, अत: इन्हें माफ नहीं करना चाहिये। जब तक सत्ता से इनका पत्ता साफ नहीं होगा, देश को इंसाफ नहीं मिलेगा और इनके सत्ता में रहते इनके पापों का भी देश को पता नहीं चलेगा।

4. 195 कोयले की खदानें जिसमें लगभग 50 बिलियन टन कोयला है, जिसकी कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 400 लाख करोड़ रुपये है इतना बड़ा कोयला घोटाला व उससे जुड़ी महत्वपूर्ण फाईलें गायब करने का आरोप सीधे प्रधानमंत्री पर है और इस पार्टी व यू.पी.ए. की अध्यक्षा उसे बचा रही है। जिस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की यह हालत है, वह पार्टी कितनी लुटेरी, बेईमान व चोर होगी आप खुद इसका अंदाजा लगा सकते हैं।

5. कांग्रेस की गलत आर्थिक नीतियों, घोटालों, कालाधन, भ्रष्टाचार, मंहगाई, बेरोजगारी व गरीबी आदि से **पूरा देश त्रस्त है लेकिन केन्द्र सरकार मस्त है?** देश में एक राजनैतिक शून्य, निराशा, अराजकता, असुरक्षा, अशान्ति है। लाखों वनवासियों को इन्होंने अपने घरों व गाँवों से बेदखल कर दिया है, राष्ट्र विरोधी शक्तियाँ चारों ओर सर उठा रही हैं और देश का शीर्ष नेतृत्व अपने पड़ोसी देशों से दुनियाँ से ओजस्वी शक्तिशाली व महान् राष्ट्र की तरह बर्ताव करता हुआ नहीं दिखाई देता। क्या इन बौने लोगों को इस महान् देश पर शासन करने का अधिकार है?

6. वीकीपीडिया व K.J.B. के वरिष्ठ अधिकारी मित्रोखिन के खुलासे, C.I.A. व I.S.I. की साजिशें तथा अन्य राष्ट्र विरोधी ताकतों का देश में पनपना क्या साफ संकेत नहीं देता कि सत्ता के शिखर पर बैठे लोग विदेशी ताकतों के इशारे पर खेल रहे हैं तथा बहुत से विदेशी ताकतों के पे रॉल पर काम कर रहे हैं।

7. कांग्रेस यदि कालाधन, भ्रष्टाचार व भ्रष्ट व्यवस्था पर काबू रखती, इन गलत कामों को प्रश्रय व संरक्षण नहीं देती तो आज देश अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में G.D.P. से लेकर प्रतिव्यक्ति की आमदनी आदि में कम से कम 10 गुणा आगे होता। भारत विश्व की महाशक्ति होता।

8. विदेशी कंपनियों के हाथों में देश को गिरवी रखकर इसे आर्थिक गुलामी में धकेल दिया। देश की अर्थव्यवस्था को विदेशी हाथों, कार्पोरेट्स व मुम्बई के सेंसेक्स के हाथों में सौंपकर गाँव, किसान, मजदूर, कारीगर, व आम आदमी को नेपथ्य में रखकर उसके साथ घोर अन्याय किया है।

कांग्रेस पार्टी ने देश के साथ जो धोखा, विश्वासघात करके देश की जो बहुत बड़ी हानि की है इसके बारे में सबको बताएं यह पत्रक संग्रह करके दूसरों को भी पढ़वायें। ताकि देशवासी असलियत पहचान सकें। जो भी इनके पापों के बारे में जानेगा, उसके मन में स्वत: ही इस पार्टी व लूटेरे खानदान के प्रति एक सहज घृणा व गुस्सा पैदा होगा।

9. धर्मान्तरण को संरक्षण व हजारों मंदिरों का अधिग्रहण करके भगवान् के चढ़ावे के लाखों करोड़ रुपये के चन्दा का पापपूर्ण उपयोग तथा प्रतिवर्ष 1 करोड़ गायों की कत्लखानों में हत्या करके तथा 1 करोड़ गायों को बांग्ला देश भेजकर वहाँ हत्या करवा करके इस पार्टी ने महापाप किया है।

10. ट्रांसफर ऑफ पॉवर एग्रीमेन्ट में जवाहर लाल नेहरु ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को वार क्रिमिनल घोषित करके नेताजी का घोर अपमान किया, 1971 में इंदिरा जी ने यू. एन. ए. में इस पाप का समर्थन किया, शहीदे आज़म भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव, पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल' व अशफाक उल्ला खाँ जैसे क्रान्तिकारी महान् देशभक्तों जिनके बलिदान, कुर्बानी व शहादत की बदौलत हमें आजादी मिली, उन शहीदों को केन्द्र सरकार ने आज तक शहीद का दर्जा तक नहीं दिया तथा उनकी याद में एक भी राष्ट्रीय स्मारक तक नहीं बनवाया, इससे जाहिर होता है कि इनकी निष्ठा शहीदों के प्रति नहीं है, ये कृतघ्न पार्टी है। ये शहीदों का अपमान करने वाली पार्टी है। कोई भी देश अपने शहीदों व गौरवशाली पूर्वजों का अपमान नहीं करता अपितु सदा उनके प्रति कृतज्ञता व गौरव का बहुत ऊँचा भाव रखता है।

11. जब भारत के शासक पराक्रमी, बुद्धिमान, दूरदर्शी व चरित्रवान् थे तब भारत का पूरे यूरेसिया में चक्रवर्ती साम्राज्य था। कुछ कमजोर शासकों के कारण भारत छोटा हुआ। आज जिन भोंदू, पप्पू व निस्तेज लोग जिनका कोई प्रामाणिक चरित्र नहीं हैं, ऐसे करेक्टरलैस व विजनलैस लोग जिनका इस देश को आगे बढ़ाने में कोई विशेष योगदान नहीं यहाँ तक कि इस विश्वविजेता महान् देश की ठीक-ठीक समझ तक जिनकों नहीं है, क्या ऐसे भोंदू व पप्पू लोगों के हाथों में आप देश की बागडोर सौंपेगे?

12. डीजल, पैट्रोल व गैस पर 50% टैक्स लगाकर देशवासियों से धन छीनकर उन्हें गरीब बना रही है ये पार्टी। शिक्षा व्यवस्था सबका मौलिक अधिकार है, ये सबको समान रूप से नहीं दे रही है। सरकार इसमें घोर पक्षपात कर रही है। खुद के बच्चों की पढ़ाई व खुद का इलाज विदेशों में करवाते हैं तो क्या देश पर इनको भरोसा नहीं और यदि यहाँ शिक्षा व चिकित्सा घटिया दर्जे की है तो फिर अपने लिए सब कुछ बढ़िया तथा देश के आम लोगों के लिए सब कुछ घटिया क्यों?अंग्रेजों की तरह ही आज भी देश का हर साल लाखों जहाजों से अरबों-खरबों टन कच्चा लोहा, एल्युमिनिम, ताम्बा व अन्य बेशकीमती रॉ-मैटेरियल बाहर ले जाकर तथा वहाँ से पुन: परिस्कृत देश में लाकर हमें 10 गुनी कीमत में वापस बेच रहे हैं, इससे विदेशों को भारतीय धन एवं संसाधनों की पूर्ति की जा रही है और देश में बेरोजगारी व गरीबी बढ़ रही है, रुपये की कीमत घट रही है। ऐसे एक नहीं अनन्त पाप, अपराध जुल्म व नाइन्साफी ये पापी पार्टी कर रही है। प्रतिभा सम्पन्न लोगों को देश छोड़ने के लिए बाध्य किया जाता है या भगा दिया जाता है ये राष्ट्र के लिए बहुत ही खतरनाक है। आज दुनियाँ के सभी शीर्ष लोग एकमत हैं कि भविष्य के साम्राज्य, ज्ञान व प्रतिभा के आधार पर खड़े होंगे। जो देश अपने प्रज्ञावान् प्रतिभाशाली व्यक्तियों को संभालकर नहीं रखेंगे, वे आगे नहीं बढ़ सकेंगे।

13. किसानों ने आजादी के लिए सबसे अधिक संघर्ष किया, इसलिए अंग्रेजों ने उनकी भूमि छीनी तथा 1894 में भूमि अधिग्रहण एक्ट बनाकर किसानों के साथ अन्याय किया, उन्हें भूमिहीन बनाया, 90% तक लगान उनसे वसूला, उनकी क्रूरता से हत्याएं की, पेड़ों पर जिंदा लटकाया, उन्हें अनपढ़ व गरीब रखा। आजादी के 67 वर्षों के बाद भी उन्हें उनकी फसल का लाभकारी मूल्य नहीं दिया जा रहा है। छ: वेतन आयोग बन गए लेकिन आज तक किसान आय आयोग नहीं बना। इस पार्टी ने देश की 70% आबादी जो गाँवों में रहती है, उसके साथ धोखा, छल व घोर अन्याय किया है।

14. इस पार्टी ने देशी विदेशी बुरे लोगों के साथ मिलकर भारत को खुद लूटकर व लुटवाकर कमजोर बना दिया। आज हर क्षेत्र में अमेरिका व चीन दुनियाँ को **डॉमिनेट** कर रहे हैं। चाहे बात शिक्षा की हो, चिकित्सा की हो, या फिर अनुसंधान, अर्थव्यवस्था या व्यापार की। भारत आज भी पूरी दुनियाँ को डॉमिनेट करने की ताकत रखता है। बस यहाँ एक ताकतवर व ईमानदार साहसी प्रधानमंत्री व 300 अच्छे सांसद चाहिएं। हम सब देशवासियों का आह्वान करते हैं कि देश को पुन: विश्व विजेता, सुपरपावर, महाशक्ति या विश्वगुरु बनाने के लिए इस पार्टी के कुशासन, कुनीतियों व षड्यन्त्रों से देश को बचाने के लिए अपने जीवन व राष्ट्र में खुशहाली लाने के लिए सत्ता व व्यवस्था परिवर्तन के काम में सहयोग दीजिए। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम लाखों-करोड़ रुपये का कालाधन देश को दिलायेंगे, भ्रष्टाचार व अन्यायपूर्ण भ्रष्ट व्यवस्था से मुक्त एक खुशहाल भारत बनायेंगे। हम और आप सब मिलजुल कर गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, अभाव, अन्याय शोषण व असुरक्षा से मुक्त एक परम वैभवशाली आध्यात्मिक व आर्थिक शक्ति सम्पन्न भारत का निर्माण करेंगे। देश का बहुत बड़ा कर्ज है हम पर, अत: जाने से पहले इस कर्ज को चुकाना है तथा अपना फर्ज निभाना है। एक-एक दिन की जिंदगी जीने के लिए ये मातृभूमि व करोड़ों जीव हमारी सेवा या मदद कर रहे हैं, अत: हम भी देश, धर्म, संस्कृति व समष्टि की हर पल व हर दिन सेवा अवश्य करें। याद रखना सेवा करना फायदे का काम व सौभाग्य है तथा सेवा लेना यह घाटे का काम व दुर्भाग्य है। अत: सेवा लेने नहीं देने के लिए सदा प्रयत्न करना।

15. 1914 व 1939 में दो विश्व युद्ध 1962, 1965, 1971 तथा 1999 के कारगिल युद्ध तक चार युद्ध हमने देश में देखे हैं इराक व अफगानिस्तान युद्ध में खत्म हो गए तथा सीरिया में युद्ध चल रहा है, क्या ये पार्टी गारण्टी देती है कि भारत के साथ कोई देश युद्ध नहीं करगेा। जब पाकिस्तान जैसा नापाक देश हमारे सैनिकों के शीश काट लेता है, तो हम चीन व अमेरिका का मुकाबला कैसे करेंगे?इनके हाथों में देश सुरक्षित नहीं है।

16. भारत को 18 जुलाई, 1947 को ब्रिटेन की महारानी की कॉमनवैल्थ घोषित करके तथा देश के लोगों को बिना बताए ट्रांसफर ऑफ पॉवर एग्रीमेन्ट का शर्मनाक समझौता करके गुलामी को गौरवमय दर्शाने का राष्ट्रीय पाप व राजनैतिक अपराध व धोखा इस पार्टी ने किया है।

17. भारतीय भाषा, भारतीय ज्ञान परम्परा, स्वदेशी न्यायपूर्ण व्यवस्था, गोमाता, गंगामाता, गायत्री माता, वेदमाता, व भारतमाता का अपमान किया तथा रामायण व महाभारत को काल्पनिक बताकर तथा अपने 200 करोड़ वर्ष पुराने गौरवमय अतीत का अपमान करके देश में अंग्रेजी कलेन्डर लागू किया। सत्ता व व्यवस्था में भारतीयता के आचरण को सर्वोपरि स्थान व सम्मान नहीं दिया।

18. भारत को तोड़ने वाली ताकतों को मौन समर्थन या चोरी छुपे पर्दे के पीछे से साथ देकर ये पार्टी देश के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात कर रही है। पूरा सच जानने के लिए श्री राजीव मल्होत्रा जी की ''ब्रेकिंग इण्डिया'' पुस्तक अवश्य पढ़ना।

19. 1947 में देश का विभाजन करके देश को छोटा किया, 10 लाख से लेकर 30 लाख बेगुनाह लोगों की मौत करवाई, इनकी मौत के सौदागार व गुनाहगार कौन है?पाकिस्तान से 1965, 1971 व 1999 के तीन-तीन युद्ध जीतने वाला भारत 93 हजार पाकिस्तान के सैनिकों को बन्दी बनाने वाला भारत, करांची तक हमारी फौंजे पहुँच चुकी थी फिर भी कश्मीर पर पाकिस्तान का कब्जा व भारतमाता के मुकुट कश्मीर से अपने देश के लोगों का निष्कासन और अपने ही देश में अपने देश के उन नागरिकों का शरणार्थी बनकर रहना ये कितनी बड़ी शर्मनाक बात है।

20. चीन युद्ध के समय सैनिकों को लड़ने के लिए पूरे हथियार उपलब्ध नहीं करवाये तथा सेना को एयर कवर नहीं दिया। चीन को जितवाया तथा तेजपुर में निस्तेज प्रधानमंत्री नेहरु ने जाकर बेशर्मी से कहा कि हम आपकी रक्षा नहीं कर पाये, हमें माफ कर देना, आप चाहो तो चीन में रह सकते हो, चाहो तो भारत में। आज भी अरुणाचल से लेकर कश्मीर बोर्डर तक चीन भारत में घुस रहा है। इनके कायर कमजोर हाथों में देश सलामत नहीं है।

21. 1947 में जब देश आजाद हुआ तब महात्मागांधी व सभी क्रान्तिकारी देशभक्तों की भावना के खिलाफ जाकर भारतीय भाषा, भारतीय ज्ञान परम्परा व भारतीय स्वदेशी व्यवस्था को तिलाञ्जलि देकर विदेशी अंग्रेजी भाषा, विदेशी ज्ञान परम्परा व विदेशी व्यवस्था को देश पर लादकर अंग्रेज व अंग्रेजों के प्रति अटूट निष्ठा भक्ति व विश्वास दिखाकर सत्ता के महालालची देश के प्रथम प्रधानमंत्री ने जो पाप किया उसे आज तक देश भुगत रहा है। इस देश के 99% आम लोगों को सत्ता, व्यवस्था व उच्च शिक्षा आदि से तो मात्र एक भाषा की बाधा खड़ी करके वंचित कर दिया, क्या ये देश के साथ धोखा, छल, विश्वासघात, अन्याय या नाइंसाफी नहीं है? दुनिया का कोई भी सभ्य देश अपने देश के नागरिकों को विदेशी भाषाओं में नहीं पढ़ाता तथा विदेशी भाषा को अपनी राष्ट्रभाषा से ऊँचा सम्मान नहीं देता। अंग्रेजी भाषा को तो अंग्रेजों के देश इंग्लैण्ड में सम्मान व गौरव प्राप्त नहीं था। 18वीं शताब्दी के प्रारम्भ तक वहाँ फ्रेंच ही राजभाषा थी। 16वीं शताब्दी से पहले अंग्रेजी भाषा पूरी तरह से विकसित तक नहीं थी। विश्व की प्रथम भाषा संस्कृत जो हमारी व दुनियाँ की भाषाओं की मूलभाषा है उस वेदवाणी व ईश्वरीय वाणी संस्कृत भाषा, राष्ट्रभाषा, भारत व भारतीयता का इस पार्टी ने सुनियोजित तरीके से अपमान करके देश व देशवासियों के साथ तथा अपनी गौरवशाली संस्कृति के साथ अन्याय किया है।

अत: भारत को बचाना है तो सत्ता के अधिष्ठान पर इन कायरों व पापियों का नहीं महानायकों का शासन होना चाहिए।

हमनें मोदी का समर्थन मुद्दों के आधार पर किया है। हमने न तो अपनी विचारधारा व सिद्धान्तों से समझौता किया है और ना ही किसी भी कीमत पर हम कोई समझौता करेंगे। हम खुद को M.L.A., M.P., C.M., P.M. बनाने या कुछ पाने कमाने के लिए काम नहीं कर रहे हैं, अपितु देश को बनाने व बचाने के लिए ही हमारा पूरा अभियान व आंदोलन है। क्योंकि कुछ लोग देश को बेचने व बर्बाद करने में लगे हैं। यदि बी.जे.पी., एन.डी.ए. तथा अन्य जो भी दल हमारे राष्ट्रहित के सभी मुद्दों का समर्थन करेंगे तथा क्राइम, करेप्शन व करेक्टर के दोषों से मुक्त अच्छे व्यक्तियों को अपना प्रत्याशी बनायेंगे तो हम उन्हें समर्थन देंगे, अन्यथा देश में एक आदर्श राजनैतिक व्यवस्था कायम करने हेतु राजनैतिक विकल्प के हमारे द्वार हमेशा खुले हुए हैं।

भारत स्वाभिमान-सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिवर्तन का लक्ष्य व संकल्प

संन्यासी का धर्म : लोग कहते हैं कि क्या संन्यासी को राजनीति में हस्तक्षेप करना चाहिये। हमारा सीधा सा प्रश्न है कि कब संन्यासियों ने पाप, अधर्म, भ्रष्टाचार व अन्याय के खिलाफ विरोध या हस्तक्षेप नहीं किया? मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम से लेकर योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण, आचार्य चाणक्य, महर्षि वशिष्ठ विश्वामित्र आदि से लेकर सभी ने सत्ता में सत्य का साम्राज्य स्थापित करने के लिये सीधे तौर पर हस्तक्षेप किया। यहाँ तक की वर्तमान युग में ऋषि दयानन्द, महायोगी श्री अरविन्द व स्वामी विवेकानन्द ने भी देश के युवाओं में स्वराज्य की भावना को जागृत करके अनीति के खिलाफ संघर्ष का आह्वान किया। जो भ्रष्ट, अन्यायपूर्ण व निरंकुश सत्ता व व्यवस्था को बदलने के लिये हस्तक्षेप नहीं कर रहा है वह एक आदर्श नहीं हो सकता। देश, धर्म, संस्कृति के लिये नि:स्वार्थ भाव से हस्तक्षेप करना ही संन्यास की आदर्श परम्परा रही है। एक आम इन्सान जो कार्य अपने बच्चों के लिए नहीं कर सकता, वह कार्य परम पूज्य स्वामी जी हिन्दुस्तान के सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानियों के लिए कर रहे हैं।

भारत स्वाभिमान आंदोलन के चार आयाम : आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक रूप से भारत को विश्व-गुरु, विश्व की महाशक्ति बनाना।

कालेधन की मात्रा : प्रोफेसर कल्डोर, वांचु कमेटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फायनेंस एण्ड पॉलिसी, प्रोफेसर अरूण कुमार, G.F.I. एवं अन्य अर्थशास्त्रियों व संस्थाओं के अनुसार अब तक देश के बाहर 100 से 150 लाख करोड़ रुपये कालाधन जमा हुआ है जो कि कालेधन का मात्र 10% ही है तथा 90% कालाधन देश के अन्दर 900 से 1350 लाख करोड़ रुपये कालाधन जमा है। अब भी हर वर्ष रिश्वतखोरी, टैक्स चोरी तथा घोटालों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये की लूट हो रही है।

कालाधन देश को मिलने से क्या होगा? 1. भारत दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनेगा, सबको समान शिक्षा, समान चिकित्सा व समान रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, गैर-बराबरी, नक्सलवाद, अवैध-खनन, नशाखोरी व आतंकवाद जैसी समस्यायें खत्म होंगी। क्योंकि इन समस्याओं के मूल में कालाधन ही है। 2. कालाधन वापस आने से देश की जी.डीपी. कम से कम 10 गुना बड़ी होगी। लोग धनवान होंगे, गरीबी नहीं रहेगी। अर्थव्यवस्था कम से कम 10 गुना बड़ी होगी। डॉलर व पौण्ड आदि की रुपये के बराबर की कीमत हो जायेगी। दुनिया में भारत की इज़्ज़त प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कालेधन की अर्थव्यवस्था का किन क्षेत्रों पर बड़ा असर होता है? 1. G.D.P. की स्थिति पर, 2. ग्रोथ रेट की स्थिति, 3. बचत की स्थिति, 4. कर व्यवस्था (टैक्सेशन), 5. सरकारी बजट की स्थिति, 6. प्रति व्यक्ति की आमदनी, 7. निर्यात-आयात तथा विदेशी मुद्रा व सोने के भण्डार पर, 8. विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी पर, 9. भारत की मुद्रा-रुपये के मूल्य पर एवं 10. विदेशी निवेश आदि पर कालेधन की अर्थव्यवस्था का गहरा असर पड़ता है।

किन सामाजिक क्षेत्रों पर कालेधन का सबसे अधिक खतरनाक प्रभाव पड़ता है– 1. राजनीति का अपराधीकरण, 2. बुनियादी सुविधाओं का अभाव, 3. आतंकवाद, नक्सलवाद, हिंसा व अपराध का पोषण, 4. महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी व गैर बराबरी का जनक, 5. गाँवों की बर्बादी का मूल कारण, 6. नशा व अन्य ड्रग्स, नार्कोटिक्स, ह्यूमन ट्रेफिकिंग आदि का कारण, 7. अवैध खनन, 8. वनवासी बहुल प्रदेश का शोषण, 9. सेना के आधुनिकीकरण में बाधा, 10. भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारी व्यवस्था का जनक।

हमारे देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था लगभग (एक हजार) 1,000 लाख करोड़ रुपये की है, जो चीन की अर्थव्यवस्था से दोगुनी तथा अमेरिका की अर्थव्यवस्था से डेढ़ गुनी है। इस अर्थव्यवस्था में देश का जो धन लूट करके विदेशों में जमा किया गया है वह नहीं जोड़ा गया है। देश की अर्थव्यवस्था की अलग-अलग क्षेत्रों में एक बहुत बड़ी मात्रा कालेधन की है। इसको कन्ट्रोल करने के लिए बैंको में आर्थिक गोपनीयता के कानून, सोना एवं हवाला के ऊपर पूरी तरह से नियन्त्रण करना पड़ेगा। परन्तु दोषपूर्ण आर्थिक नीतियाँ, भ्रष्टाचार, घोटालों एवं स्वार्थपूर्ण शासन प्रणाली के कारण भारत की अर्थव्यवस्था का सही व पूर्ण स्वरूप कालेधन की अर्थव्यवस्थाओं के नीचे दबकर रह गया है। परिणाम स्वरूप सरकारी आँकड़ों में दिखाई जाने वाली अर्थव्यवस्था भारत की वास्तविक अर्थव्यवस्था का लगभग दसवाँ भाग ही है।

योग-ऋषि पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के नेतृत्व में चल रहे भारत स्वाभिमान आन्दोलन के मुख्य तीन मुद्दे–

1. कालाधन : 1000 से 1500 लाख करोड़ रुपये के कालेधन को राष्ट्रीय सम्पत्ति घोषित करके देश को दिलाना एवं जल, जंगल, जमीन तथा लगभग 20 हजार लाख करोड़ रुपये की भू-सम्पदाओं को लूटने से बचाना।

2. भ्रष्टाचार : भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण करना तथा योग, अध्यात्म एवं संस्कारों का व्यक्ति व समाज में समावेश करके सदाचार को बढ़ाना। शिक्षा में योग एवं उच्च नैतिक मूल्यों का समावेश कराना। बचपन में अच्छे या बुरे जो भी विचार या संस्कार बच्चों को दिये जाते हैं, जीवन भर वही विचार परिपक्व होते हैं।

3. व्यवस्था परिवर्तन : अन्यायपूर्ण अंग्रेजी व्यवस्था के स्थान पर न्यायपूर्ण स्वदेशी व्यवस्था लागू करके आर्थिक व सामाजिक गैर बराबरी दूर करना। सत्ता, सम्पत्ति, संसाधन एवं शासन व्यवस्था में अन्यायपूर्ण स्वामित्व, अन्यायपूर्ण समृद्धि, अन्यायपूर्ण भागीदारी, अन्यायपूर्ण वितरण तथा अन्यायपूर्ण उपभोग को खत्म करके-गैर बराबरी को दूर करके सबको आर्थिक व सामाजिक न्याय दिलवाकर भारत को विश्व की आर्थिक व आध्यात्मिक महाशक्ति बनाना।

व्यवस्था परिवर्तन के मुख्य मुद्दे– 1. राष्ट्रीय किसान आय-आयोग का गठन होना चाहिये।, 2. भारतीय भाषाओं में संस्कार व रोजगारपरक उच्च व तकनीकी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिये।, 3. महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी व गैर-बराबरी मुक्त शासन जिसमें सबको सभी क्षेत्रों में समान अवसर उपलब्ध होने चाहिये।

तीन प्रायोजित झूठ– 1. इतिहास के नाम पर झूठ, 2. अविष्कारों के नाम पर झूठ, 3. विकास के नाम पर झूठ बोले जाते है।

तीन बड़े षड्यन्त्र– 1. बौद्धिक षड्यन्त्र, 2. विदेशी षड्यन्त्र, 3. राजनैतिक षड्यन्त्र।

राष्ट्रीय दुर्भाग्य व दु:ख का कारण? हर व्यक्ति को भगवान् ने अपरिमित ज्ञान व शक्ति दी हुई है। हर मानव में महामानव होने की शक्ति है तथा भारत में विश्व की महाशक्ति व विश्व-गुरु होने का सामर्थ्य है, लेकिन दुर्भाग्य से अधिकांश देशवासियों को देह व देश की वास्तविक शक्ति का बोध न होने से देश व देशवासियों की आज ये दुर्दशा हो रही है।

हमारे संगठन की ताकत, तप व सेवायें–

1. जो कार्य एक साधारण व्यक्ति सैकड़ों, हजारों जन्मों में भी नहीं कर पाता, उससे अधिक कार्य तो परम पूज्य स्वामीजी व श्रद्धेय आचार्य जी अभी तक कर चुके हैं। पूज्य स्वामीजी महाराज द्वारा 11 लाख किलोमीटर की लोक मंगल यात्रा, 11 करोड़ से अधिक लोगों की सभाएँ, 11 हजार से अधिक शिविरों में आए लोगों के भीतर आत्मीयता, प्रेम, ज्ञान, तेज, देशभक्ति और अध्यात्म-चेतना जगाना वह महान् तप है, जो संगठन का आंतरिक बल और केन्द्रीय शक्ति है, यही संगठन की नाभि का अमृतकुण्ड और हृदय की अध्यात्म-ज्योति है, राष्ट्रीय कुंडलिनी-शक्ति का जागरण है, राष्ट्रभक्ति के महाभाव का उदय है। इस महाभाव के उदय से आत्मबल-सम्पन्न, राष्ट्रभक्ति- सम्पन्न बने करोड़ों भारतीयों के हृदय की कृतज्ञता का भाव हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

2. 4 जून, 2011 से लेकर 3 जून, 2012 से तथा 9 अगस्त से 14 अगस्त, 2012 तक पुन: दिल्ली में ऐतिहासिक आन्दोलन, इसी प्रकार 18 वर्षो से चल रही नि:स्वार्थ सेवा व आन्दोलन और साथ ही ग्राम, प्रखण्ड, बूथ, वार्ड, तहसील तथा 650 जिलों तक फैला मजबूत संगठन इसी तप और ताकत का साकार रूप है।

3. पक्षपात पूर्ण डबल C.B.I. जाँच, आये दिन झूठी अफवाहें, साज़िश के तहत सैकड़ों सरकार के नोटिस व केस लगाने के बावजूद केन्द्र सरकार एक भी जगह हमें गलत साबित नहीं कर पायी। 100 करोड़ से ज्यादा देशवासियों का संगठन व आन्दोलन को समर्थन, सहयोग व सद्भाव ही हमारी सच्ची व सात्विक ताकत है।

4. संगठन द्वारा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 लाख से अधिक नि:शुल्क योग कक्षाओं का शहरों से लेकर गाँवों तक संचालन किया जा रहा है। संगठन द्वारा रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, गौ मूत्र चिकित्सा, गंगा रक्षा अभियान, बिहार, आसाम व उत्तराखण्ड में बाढ राहत कार्य, सुनामी राहत कार्य इत्यादि प्राकृतिक आपदाओं में मानव सेवा के कार्यों में निरन्तर अग्रणी भूमिका निभाता हैं। वहीं स्वतन्त्रता सैनानियों का सम्मान, आतंकवाद से जूझ रहे परिवारों को सम्बल एवं मुम्बई के आतंकी हमले के समय पीड़ितों की सेवा के साथ-साथ मुम्बई शहीदों का सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, गरीब कन्याओं का विवाह, गरीबों के लिये नि:शुल्क लंगर एवं नि:शुल्क चिकित्सा व्यवस्था इत्यादि के साथ-साथ कन्या भ्रूण हत्या, नशे आदि सामाजिक कुरुतियों के विरोध में व्यापक आन्दोलन निरन्तर जारी हैं। योग सेवा, स्वदेशी सेवा एवं ग्राम सेवा के विभिन्न प्रकल्प देश के छ: सौ से अधिक जिलों एवं लाखों गाँवों में चल रहे हैं।

गौ आधारित विषमुक्त कुदरती खेती- किसी भी राष्ट्र को प्रगति के पथ पर गतिमान होने के लिये उसके नागरिकों का स्वस्थ होना नितान्त आवश्यक है। हम खुद जहर खाने से बचें तथा देश को भी कैंसर, शुगर, बी.पी. व हार्ट-अटैक जैसी बीमारियों से बचायें। इसलिये स्वदेशी विषमुक्त खेती अपनायें तथा शुद्ध व सात्विक आहार ही खायें व खिलायें। **बीजामृत–** बीजों की बुआई करने से पूर्व बीजों को अच्छे अंकुरण हेतु उपचारित करने को बीजामृत कहते है। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है। साथ ही विभिन्न फंगस एवं बीज खाने वाले कीटों से **बीज सुरक्षित रहते है। बीजामृत बनाने की विधि–** (क) गौमूत्र 5 लीटर, (ख) राख 1 किलो. (नीम की लकड़ी की राख उत्तम रहती है), (ग) चूना 400 ग्राम, (घ) पानी 3 लीटर। **कुदरती/संजीवक खाद की अनुभूत विधि–** यह एक प्राकृतिक तत्त्वों से बना हुआ द्रव है जो की फसलों को सीधे दिया जाता है। इसके प्रयोग से फसलों की उचित वृद्धि के साथ-साथ विभिन्न रोगों से भी मुक्ति मिलती है। सामग्री-(200 लीटर के लिए) 60 किलो गाय का गोबर, 6 लीटर गौमूत्र, 1 किलो गुड़, 133 लीटर पानी। **जैविक कीट नियन्त्रक निर्माण की प्रक्रिया–** निम्बादि कीटनियन्त्रक– आवश्यक सामग्री–नीम पत्ते 4 किलो, आक पत्ते 4 किलो, आडू पत्ते 4 किलो, लहसुन 4 किलो, तीखी हरी मिर्च 4 किलो, गौमूत्र 20 लीटर, पानी 20 लीटर। एक गाय से हम कम से कम 10 एकड़ जमीन में कुदरती खेती कर सकते है। एक गाय से उसके जीवन काल में लगभग 20-25 लाख रुपये का आर्थिक लाभ होता हैं। कुदरती एवं जैविक खेती की अधिक जानकारी हेतु "हमारे सपनों का भारत" नामक पुस्तक की पृष्ठ 54 से 68 तक के पेजों को ध्यान से पढ़ें। कुदरती खेती के व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु पतंजलि ग्रामोद्योग, हरिद्वार में सम्पर्क करें–01334-315829, 240008.

क्या आप जानते हैं?

1. कि देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ गौवंश, गौमाता का कत्ल वर्तमान की केन्द्र सरकार करवा रही हैं तथा लगभग 1 करोड़ से ज्यादा गौमाता को कत्ल करने के लिए बांग्लादेश भेजा जा रहा हैं।

2. कि आजादी के इन 67 वर्षों में एक से डेढ़ हजार लाख करोड़ रुपये भ्रष्ट लोग देश का लूट चूके हैं तथा आज भी हर वर्ष लगभग 10 लाख करोड़ रुपये की लूट चल रही हैं।

3. कि 1 घण्टे में 883 लोग अर्थात् 1 दिन में लगभग 20 हजार लोगों की मौत भूख के कारण हो जाती है। प्रतिवर्ष ब्याज के बौझतले 20 हजार किसान आत्महत्या कर लेते हैं, आज भी 84 करोड़ भारतीय मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं व लगभग 20 रुपये मात्र पर प्रतिदिन जीवनयापन कर रहे हैं। देश में 1 घण्टे में 2 महिलाओं के साथ बलात्कार व 3 महिलाओं की दहेज के लिये हत्या हो जाती है। देश में चल रहे पाप, अधर्म, लूट व तबाही को रोकने के लिये आओ हम सब मिलकर कार्य करें। आइये!

आह्वान– "भारत स्वाभिमान" के सदस्य बनें एवं इसके सिद्धान्त एवं लक्ष्यों के बारे में और अधिक जानकारी हेतु "हमारे सपनो का भारत" पुस्तक पढ़ें तथा एक स्वस्थ, समृद्ध, परम वैभवशाली भारत के निर्माण के लिये आस्था चैनल पर प्रात: 5 से 8 बजे व रात्रि 8 से 9:30 बजे तक व संस्कार चैनल पर प्रात: 4 से 5:30 व 8:40 से प्रात: 9 बजे तक एवं रात्रि 9 से 10 बजे तक प्रसारित कार्यक्रम स्वयं देखें तथा दूसरो को प्रेरित करें।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

E-mail : bharatswabhimanheadoffice@gmail.com,
Web : www.bharatswabhimantrust.org
फोन: 01334-240008, फैक्स: 01334-240664

पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार–
योग, अध्यात्म, आयुर्वेद, स्वदेशी, संस्कृति, संस्कार, वैदिक शिक्षा, प्राकृतिक चिकित्सा, सनातन आर्ष- परम्परा व स्वाभिमान के महातीर्थ के रूप में माँ गंगा के पावन तट पर मानव सेवा के लिये स्थापित यह संस्थान परम पूज्य योग ऋषि स्वामी रामदेव जी एवं आयुर्वेद मनीषी श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी के मार्ग दर्शन में विश्व-पटल पर विगत 18 वर्षों से प्रमाणित के साथ सेवा कार्य कर रहा है।

मैं2 4घ ाण्टेब्र ह्मभावम ेंर हूँगा।ग ुरुम ें,स त्यम ें,य ोगम ें,भ ागवानम ें,र ाष्ट्रम ेंह मारीि नष्ठअ खण्डर हेद ुःखभ ीतरस ेन हीं,स दैवब ाहरस ेअ ाताह ै।
मैंस ैल्फरिलाईजेशनव क लेक्टिवर िरलाईजेशनक े ि लएप्र तिबद्धर हूँगा।

कालाधन, भ्रष्टाचार व अन्यायपूर्ण भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ सवा सौ करोड़ लोगों के हक या न्याय की लड़ाई

योगपीठ की मुख्य सेवाएँ–

1. 11 करोड़ से अधिक लोगों को श्रद्धेय स्वामी जी द्वारा शिविरों में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण तथा दुनियाँ के 200 से अधिक देशों में योग व भारतीय संस्कृति को प्रतिष्ठा मिली है।
2. उत्तराखण्ड में आयी दैवी आपदा में पतंजलि योगपीठ ने आपदा पीड़ितों की सेवा में एक अग्रणी भूमिका निभाई तथा निराश्रित हुए 100 से अधिक बच्चों के लिए केदारनाथ से नीचे व गुप्तकाशी से ऊपर नारायण कोटि में पतंजलि सेवाश्रम प्रारम्भ करके उन बच्चों को भोजन, आवास, शिक्षा व उन्नत संस्कार दे रहे हैं।
3. शहीदों का सम्मान, बिहार बाढ़, सुनामी, मुम्बई का आंतकी हमला, राष्ट्रीय आपदाओं में श्रेष्ठ सेवाएं व अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय देश की सेवा, रक्तदान, वृक्षारोपण, गरीब कन्याओं का विवाह, कन्या भ्रूण हत्या विरोध, करोड़ों लोगों को रोगमुक्त, नशामुक्त व सात्विक जीवन से युक्त किया है।
4. पतंजलि योगपीठ, पतंजलि विश्वविद्यालय, आयुर्वेद कॉलेज, गुरुकुल, गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति, ग्रामोद्योग व विषमुक्त कुदरती खेती का प्रशिक्षण कार्यक्रम, गोशाला, हजारों गरीब लोगों के लिए महर्षि वाल्मीकि आश्रम, सन्त रविदास लंगर, योग-आयुर्वेद को पुनर्जीवित करना, न्यूनतम मूल्य पर औषधियाँ तथा अन्य स्वदेशी वस्तुएं उपलब्ध कराना, पतंजलि चिकित्सालय, आरोग्यकेन्द्र व स्वदेशी केन्द्रों की स्थापना द्वारा राष्ट्रसेवा। पतंजलि योगपीठ में योग, आयुर्वेद व स्वदेशी की सेवा के माध्यम से प्रतिदिन करोड़ों लोग प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होते हैं। इन सेवाओं का यदि आर्थिक मूल्यांकन करें तो यह सेवा कई सौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की होगी।

करोड़ों लोगों की ये निःस्वार्थ सेवा ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस देश के लोगों में कृतज्ञता व श्रद्धा भाव बहुत ही गहरा है। जिन लोगों की हमने सेवा की है वे गहरे कृतज्ञता व श्रद्धा के भाव से भरे हुए हैं। लड़ाई हमेशा योगी व योद्धा लड़ते हैं और उससे पूरा देश सुरक्षित रहता है। अतः लड़ाई में संख्या महत्वपूर्ण नहीं होती, न्याय महत्वपूर्ण होता है।

एक तरफ एक योगी की अल्पकाल में सीमित संसाधनों से उपरोक्त सेवायें राष्ट्र हित में समर्पित हैं तो दूसरी तरफ पूर्ण सत्ता व अकूत सम्पत्ति पाकर भी राष्ट्र के प्रति कांग्रेस के नेहरु गांधी खानदान के पापों की यद्यपि अनन्त गाथा है तथापि संक्षेप में उनके कुछ ***पाप पृष्ठ संख्या 2 पर है.....***

आपका सहयोग, योगदान व भूमिका– आप भी इस अभियान से जुड़कर योग करें व करवाएँ। योग शिक्षक या सक्रिय कार्यकर्त्ता या पूर्णकालिक कार्यकर्त्ता के रूप में इस राष्ट्र यज्ञ में अपना सहयोग दें।

भारत स्वाभिमान के सदस्य बनकर इस ऐतिहासिक क्रान्ति में भागीदार बनिए तथा इस बड़े उद्देश्य हेतु आगे आइए व अपना भागवत् धर्म व राष्ट्रधर्म निभाइए! **देश का बहुत बड़ा कर्ज हम पर है, अतः जाने से पहले इस कर्ज को चुकाना है तथा अपना फर्ज निभाना है। एक-एक दिन की जिंदगी जीने के लिए ये मातृभूमि व करोड़ों जीव हमारी सेवा या मदद कर रहे हैं, अतः हम भी देश, धर्म, संस्कृति व समष्टि की हर पल व हर दिन सेवा अवश्य करें। याद रखना सेवा करना फायदे का काम व सौभाग्य है तथा सेवा लेना यह घाटे का काम व दुर्भाग्य है। अतः सेवा लेने नहीं देने के लिए सदा प्रयत्न करो।**

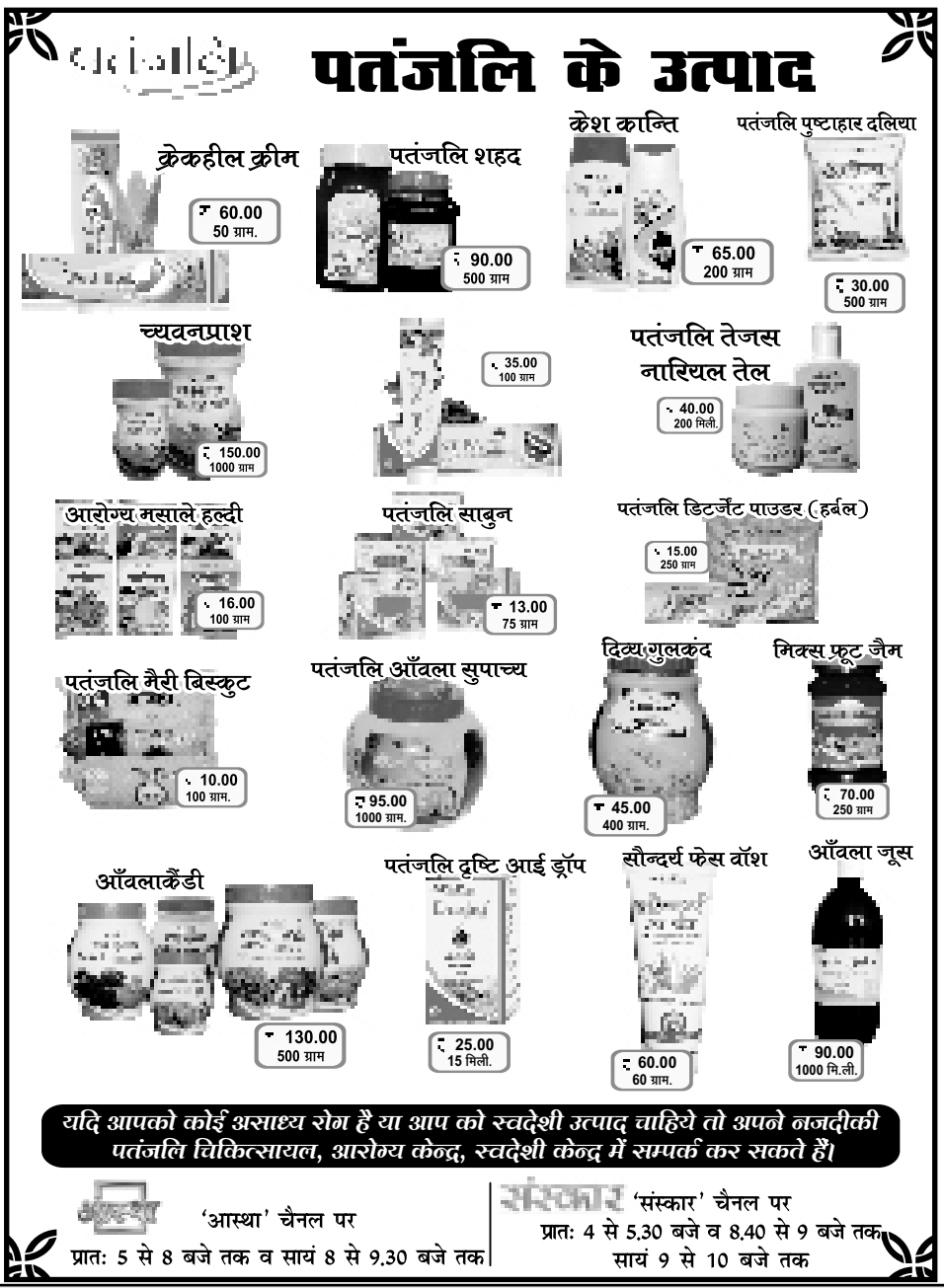

पतंजलि बायो रिसर्च सेंटर (PBRI) के उत्पाद

पतंजलि एजोटो– एक पाउडर-पैक आधारित नाइट्रोजन जैव उर्वरक है, जो कि स्वतंत्र एवं स्वाभाविक रूप से मृदा में रहने वाले जीवाणु एजोटोबैक्टर पर आधारित है।

फसलः पतंजलि एजोटो का प्रयोग गेहूँ, धान, बाजरा, ज्वार, गन्ना, कपास, आलू, बैंगन, टमाटर, प्याज एवं सभी प्रकार के फल-फूल औषधीय पौधे आदि में करें।

प्रयोग विधिः बीज उपचारः 250 ग्राम **पतंजलि एजोटो** और 200 ग्राम गोंद/मॉड/गुड़ को 10-12 किग्रा बीज के साथ अच्छी तरह मिलाकर 20-30 मिनट छायां में रखने के बाद बुआई करें।

मृदा उपचारः 2 से 3 किलोग्राम **पतंजलि एजोटो** का प्रयोग 50-100 किलोग्राम गोबर की खाद/कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट मिलाकर 5-7 दिन छाया में नमी के साथ रखें। इस प्रकार तैयार खाद का प्रयोग एक एकड में करें।

पौध/सीड/कंद उपचारः 250 ग्राम **पतंजलि एजोटो** को 20-30 लीटर पानी में घोलें। तैयार घोल में 15-20 मिनट पौध/सीड्स/कंद को डुबोकर रोपाई करें।

सावधानियांः किसी प्रकार के रासायनिक उर्वरक व रासायनिक दवा के साथ इसका प्रयोग न करें। यदि रसायन से उपचार करना हो तो **पतंजलि एजोटो** की दुगनी मात्रा का प्रयोग करें। **पतंजलि एजोटो** को शुष्क, छायादार एवं ठण्डी जगह पर भण्डारित करें।

लाभः 1. वृद्धिकारक हार्मोन के कारण जड़ के विकास एवं बीज अंकुरण में वृद्धि करता है। 2. वायुमण्डलीय नाइट्रोजन को मृदा में अमोनिया के रूप में उपलब्ध कराता है, जो पौधों को सीधे उपलब्ध हो जाते हैं। 3. यह मृदा में 20-30 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष उपलब्ध कराता है।

पतंजलि चेतना– अनुसंधान आधारित वनस्पतिक एमिनों (प्रोटीन) और पौध वृद्धि नियामक पदार्थ से विकसित किया गया उत्कृष्ट उत्पाद है। जिसका सूक्ष्म मात्रा में प्रयोग करने से शाखाओं फूलो और फलों की संख्या, आकार और गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

लाभः प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में वृद्धि होते है। पौधों की शाखाओं की में वृद्धि होती है। पौधों के फूलों एवं फलों में वृद्धि होती है। पौधों का विकास अच्छा होता है।

प्रयोग विधिः 1 मिली प्रति 10 लीटर पानी में मिलाकर करें।

पैकिंग साईजः 05 मिली, 15 मिली

पतंजलि स्पर्श– एक बहुआयामी उत्पाद है जिसका प्रयोग पत्तों पर समान रूप से फैलाकर अधिक समय तक चिपकायें रखने के लिये किया जाता है। इसके प्रयोग से विभिन्न कीटनाशकों, कवकनाशी और कीटाणुनाशी, खरपतवार नाशी की क्षमता में वृद्धि होती है।

लाभः 1. घोल को पत्तियों की सतह पर फैलाने के लिये, 2. ज्यादा समय तक पत्तियों पर चिपकाने वाला, 3. कीटनाशी के प्रभाव को बढ़ाने वाला

प्रयोग विधिः पतंजलि स्पर्श को 2-3 मिली प्रति 15 लीटर कीटनाशी एवं कवकनाशी घोल के साथ मिला कर फसलों पर छिड़काव करें

पैकिंग साईजः 100मिली, 250मिली, 500मिली।

पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट प्रा० लि०
पतंजलि फूड एण्ड हर्बल पार्क
ग्रामः पदार्था, पोस्टः धनपुरा, लक्सर रोड, हरिद्वार, उत्तराखण्ड
सम्पर्क सूत्र : + 91-8755904985
वेब साइट – www.patanjalibio.com

भारत की वास्तविक ताकत

भारत की वास्तवितक ताकत– 10 लाख 67 हजार करोड़ रुपये का कोयला घोटाला या घाटा (वास्वतिक रूप से 195 खदानें जिसमें ज्ञात रूप से लगभग 50 बिलियन टन कोयला के भण्डार हैं उसकी अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में लगभग 400 लाख करोड़ रुपये कीमत है) देश में कुल कोयला 1144 लाख करोड़ रुपये का है। हमारे देश में कुल 20 हजार प्रकार की भू-सम्पदायें हैं इसमें से कोयला, लोहा, गैस, तेल, बॉक्साइड, कॉपर, एल्युमिनियम, सोना, चांदी व हीरादि की लगभग 10 भू-सम्पदाओं की ही कीमत लगभग 20 हजार लाख करोड़ रुपये है। जल, जंगल, जमीन, भू-सम्पदा, जड़ी-बूटी, अन्य राष्ट्रीय संसाधन, सवा सौ करोड़ के मानव संसाधन तथा अपरिमित बौद्धिक सम्पदा के साथ भारत आज भी विश्व की वास्तविक रूप से महाशक्ति है। यदि हम अपने N.R.I. भारतीयों की शक्ति भी अपने साथ जोड़कर देखें तो हम आज भी सुपर पावर ही हैं। अमेरिका के ऊपर लगभग एक हजार लाख करोड़ का कर्ज, ब्रिटेन पर लगभग 500 लाख करोड़ का इसी तरह जर्मनी व फ्रांस जैसे देशों पर 250 लाख करोड़ का कर्ज है। अमेरिका व यूरोप के देशों की सरकारों व वहाँ के नागरिकों ने इतना कर्ज लिया हुआ है कि उसे चुकाने में ही 50 से 100 साल लग जायेंगे। हमने 50 से 100 साल खुद को चलाने व बचाने के लिए बचत ही हुई है। सुशासन नहीं होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था अभी अनअकाउन्टेड रूप में है। जिसका वास्तविक आकार लगभग एक हजार लाख करोड़ रुपये है। 1960853114 वर्षों से भारत का गौरवशाली इतिहास है। भारत सदा से विश्व विजेता रहा है, भारतीय शासकों का राज्य रोम व मिस्र अर्थात् यवन प्रान्त से लेकर इराक, इरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान से लेकर वर्मा (ब्रह्म देश) बाग्ला देश व वियतनाम तक तथा उत्तर में त्रिविष्टुप (तिब्बत) से लेकर दक्षिण में जावा, सुमात्रा, बाली, इंडोनेशिया व कम्बोडिया तक था। भारत के ये चक्रवर्ती राज्य पुनः कायम करना है और भारत महासंघ बनाकर भारत के अङ्गीभूत राष्ट्रों को हमें शक्ति प्रदान करके पूरे यूरेसिया में हमें पुनः अखण्ड भारत की स्थापना करनी है। भारत जैसे महान् राष्ट्र पर महानायकों का ही शासन होना चाहिए। महान् देश के बौने लोग शासक नहीं हो सकते। जब देश के शासक पराक्रमी, दूरदर्शी, जितेन्द्र, विद्वान्, विनयशील व प्रजा के हितैषी थे तब देश विश्व विजेता था **आज कुछ अपराक्रमी, अदूरदर्शी, लम्पट, अल्पबुद्धि (भोंदू, पप्पू) अहंकारी व प्रजा व देश के विरोधी भारत भारतीयता के विरोधी लोग देश पर शासन करना चाहते हैं। उन राष्ट्रविरोधी लोगों का हम देश पर शासन कायम नहीं होने देंगे।** 1 लाख 76 हजार करोड़ रुपये का 2जी घोटाला, 70 हजार करोड़ रुपये का कॉमन वैल्थ घोटाला, हजारों करोड़ रुपये का आदर्श घोटाला, बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोटी (अनाज), कपड़ा व मकान से लेकर चारा तक चारों तरफ ज्ञात-अज्ञात घोटालों की भरमार है, ऐसी केन्द्र सरकार को क्या सत्ता में बने रहने का नैतिक व संवैधानिक अधिकार है?वोट मिलने व बहुमत होने पर भी यदि सरकार देश के साथ न्याय नहीं कर पा रही है तो वह सत्ता में रहने का हक खो देती है।

स्वामी, सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक राकेश मित्तल द्वारा श्री नाथ प्रिन्टर्स एण्ड सप्लायर्स, श्री नाथ नगर, रेलेव रोड़, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।